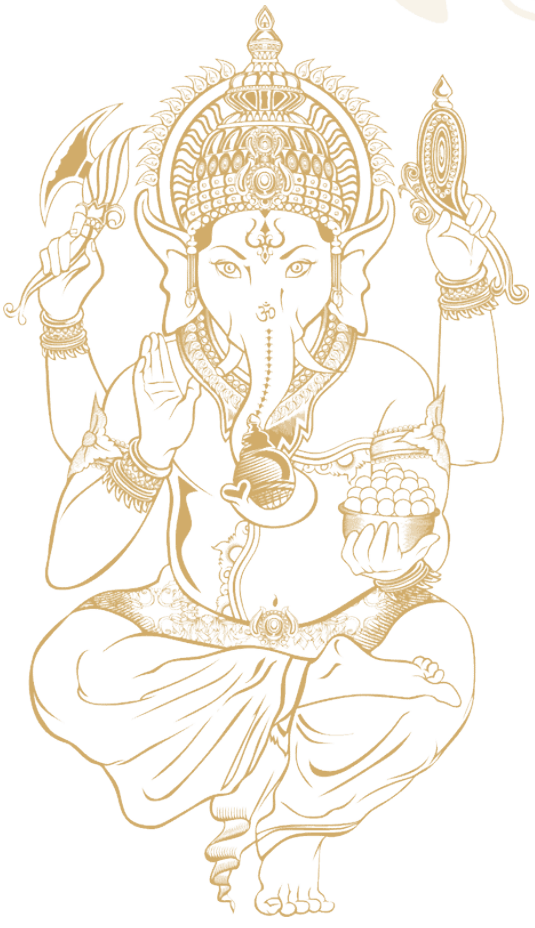

Jagriti

14 Jul 1992

10:15 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121239107

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/07/1992**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	12:43:28 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:25:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:50 घंटे
साम्पातिक काल	05:54:13 घंटे
सूर्योदय	05:09:36 घंटे
सूर्यास्त	18:41:48 घंटे
दिनमान	13:32:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	28:14:12 मिथुन
लग्न के अंश	04:55:55 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:55:55	327:46:30	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			मिथु	28:14:12	00:57:12	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			धनु	21:37:45	12:01:55	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल			मेष	27:31:49	00:42:05	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध			कर्क	22:22:12	00:27:03	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	18:07:04	00:10:20	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	06:38:01	01:13:46	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मक	23:06:07	00:03:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		धनु	06:55:49	00:01:11	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	06:55:49	00:01:11	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	22:01:18	00:02:24	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप	व		धनु	23:41:21	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	26:28:04	00:00:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	04:55:06	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:28

लग्न-चलित

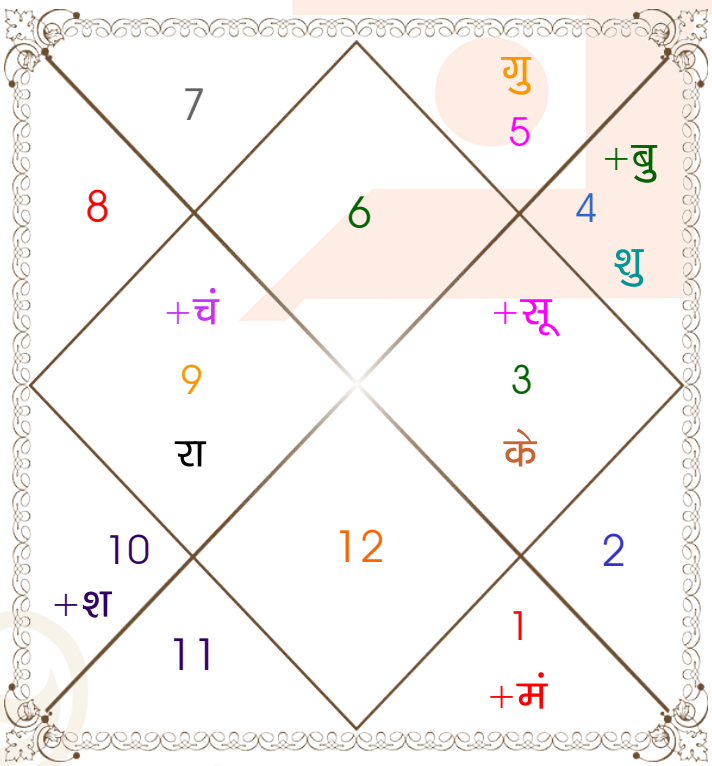

चन्द्र कुंडली

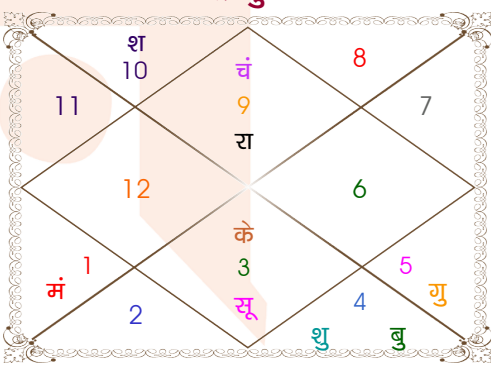

नवमांश कुंडली

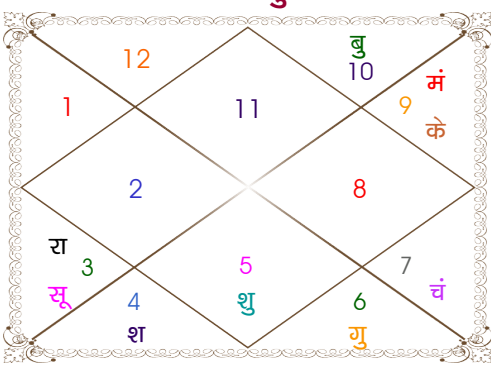

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 6 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/07/1992		03/02/2000		02/02/2006		03/02/2016		03/02/2023	
03/02/2000		02/02/2006		03/02/2016		03/02/2023		02/02/2041	
	00/00/0000	सूर्य	22/05/2000	चंद्र	04/12/2006	मंगल	01/07/2016	राहु	16/10/2025
	00/00/0000	चंद्र	21/11/2000	मंगल	05/07/2007	राहु	19/07/2017	गुरु	10/03/2028
	00/00/0000	मंगल	29/03/2001	राहु	03/01/2009	गुरु	25/06/2018	शनि	15/01/2031
	00/00/0000	राहु	21/02/2002	गुरु	05/05/2010	शनि	04/08/2019	बुध	04/08/2033
	14/07/1992	गुरु	10/12/2002	शनि	04/12/2011	बुध	31/07/2020	केतु	22/08/2034
गुरु	03/12/1992	शनि	22/11/2003	बुध	04/05/2013	केतु	28/12/2020	शुक्र	22/08/2037
शनि	03/02/1996	बुध	27/09/2004	केतु	03/12/2013	शुक्र	27/02/2022	सूर्य	17/07/2038
बुध	04/12/1998	केतु	02/02/2005	शुक्र	04/08/2015	सूर्य	05/07/2022	चंद्र	16/01/2040
केतु	03/02/2000	शुक्र	02/02/2006	सूर्य	03/02/2016	चंद्र	03/02/2023	मंगल	02/02/2041

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/02/2041		02/02/2057		03/02/2076		02/02/2093		03/02/2100	
02/02/2057		03/02/2076		02/02/2093		03/02/2100		00/00/0000	
गुरु	23/03/2043	शनि	06/02/2060	बुध	01/07/2078	केतु	01/07/2093	शुक्र	05/06/2103
शनि	04/10/2045	बुध	16/10/2062	केतु	29/06/2079	शुक्र	31/08/2094	सूर्य	05/06/2104
बुध	09/01/2048	केतु	25/11/2063	शुक्र	29/04/2082	सूर्य	06/01/2095	चंद्र	03/02/2106
केतु	15/12/2048	शुक्र	24/01/2067	सूर्य	05/03/2083	चंद्र	07/08/2095	मंगल	05/04/2107
शुक्र	16/08/2051	सूर्य	06/01/2068	चंद्र	03/08/2084	मंगल	03/01/2096	राहु	05/04/2110
सूर्य	04/06/2052	चंद्र	07/08/2069	मंगल	01/08/2085	राहु	21/01/2097	गुरु	15/07/2112
चंद्र	04/10/2053	मंगल	16/09/2070	राहु	18/02/2088	गुरु	28/12/2097		00/00/0000
मंगल	09/09/2054	राहु	23/07/2073	गुरु	26/05/2090	शनि	06/02/2099		00/00/0000
राहु	02/02/2057	गुरु	03/02/2076	शनि	02/02/2093	बुध	03/02/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 6 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।